Changing Ways

बदलती राहें

(साप्ताहिक)

वर्ष 01, अंक 02, पृष्ठ : 04 | मूल्य – 4 रुपये | धर्मशाला, 18 जनवरी 2016 | हर सोमवार को प्रकाशित

खुला सरकारी नौकरियों का पिटारा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में नौकरियों का पिटारा खुल गया है। प्रदेश मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों में लगभग 1900 पदों को भरने की मंजूरी प्रदान की है। इनमें पुलिस विभाग में सीधी भर्ती से नियमित आधार पर पुलिस कांस्टेबलों के 1000 पद शामिल हैं। मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मंत्रिमंडल ने कई निर्णय लिए हैं। इनमें कई नीतिगत निर्णय भी शामिल हैं। बैठक में शिमला में 40 अतिरिक्त पदों के सृजन सहित साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई। शहरी विकास विभाग में विभिन्न श्रेणियों के 11 पदों को भरने की स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रिमंडल ने 24 स्वास्थ्य संस्थान खोलने एवं स्तरोन्नत करने को मंजूरी प्रदान की। इसके अतिरिक्त चार स्वास्थ्य ब्लॉकों में 8 पदों के सृजन एवं भरने की भी स्वीकृति तथा पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 10 पद, सात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 27

विभिन्न विभागों में 1900 पद भरने को मंजूरी दी गई

पदों और कांगड़ा जिले के नागरिक अस्पताल शाहपुर और [illegible] में अनुबंध आधार पर प्रत्येक में [illegible] पदों के सृजन एवं भरने की स्वीकृतियां प्रदान की गई। बैठक में प्रदेश में खोले जाने वाले तीन नए मेडिकल कालेजों में विभिन्न श्रेणियों के पदों को सृजित करने व भरने की मंजूरी प्रदान की गई। मंत्रिमंडल ने हि.प्र. अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड हमीरपुर का नाम बदलकर हि.प्र. स्टाफ चयन आयोग करने के अलावा आयोग में विभिन्न श्रेणियों के [illegible] पदों को भरने की मंजूरी प्रदान की। बैठक में सीधी भर्ती से आबकारी एवं कराधान अधिकारियों के तीन पद और आबकारी एवं कराधान निरीक्षकों के 17 पदों को भरने का निर्णय लिया गया। शिमला जिले के नवसृजित [illegible] तहसील और [illegible] उप तहसील के 6 पद कानूनगो और 40 पद पटवारियों के सृजन एवं इन्हें भरने की स्वीकृति प्रदान की। कनिष्ठ अभियन्ताओं के 17 पदों, 14 पद कनिष्ठ अभियंता विद्युत और तीन पद कनिष्ठ अभियंता मैकेनिकल को सीधी भर्ती कोटे के विरुद्ध भर्ती नियमों में छूट देकर [illegible] को धारित करने की मंजूरी प्रदान की गई है।

...शेष पृष्ठ-2 में देखें

500 टन कार्बन कम करेगा धर्मशाला का रोप-वे:- वीरभद्र सिंह

धर्मशाला। मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने 17 जनवरी को कांगड़ा जिले के धर्मशाला में [illegible] के साथ [illegible] की लागत से निर्मित होने वाले धर्मशाला–मैक्लोडगंज रोप-वे की आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस रज्जु मार्ग परियोजना के पूरा होने पर धर्मशाला से मैक्लोडगंज के बीच यात्रा [illegible] घंटों से घटकर 10 मिनट रह जाएगी। उन्होंने कहा कि यह रज्जु मार्ग 1650 मीटर लंबा होगा और इसकी प्रति

- [illegible]
- मुख्यमंत्री ने [illegible]

घंटा क्षमता एक हजार व्यक्ति होगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना दो वर्ष के भीतर पूरी की जाएगी। यह अत्याधुनिक, बिजली से संचालित, पर्यावरण मित्र एवं प्रदूषणमुक्त परियोजना होगी और 500 टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन कम करने में मदद करेगी। परियोजना का निष्पादन धर्मशाला रोप-वे लिमिटेड [illegible] द्वारा किया जाएगा।

वीरभद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में विशेषकर प्रमुख शहरों और पर्यटन गंतव्यों पर रज्जु मार्ग जैसी वैकल्पिक परिवहन सुविधाएं विकसित कर रही है ताकि सड़कों पर वाहनों के दबाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि रज्जु मार्ग धर्मशाला, जो एक प्रसिद्ध पर्यटन गंतव्य है, में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में सहायक होगा और यात्रियों को सुरक्षित यात्रा प्रदान करेगा। यह पर्यावरण को किसी प्रकार का नुकसान पहुंचाए बिना पर्यटकों को [illegible] एवं [illegible] का अवलोकन भी करवाएगा।

रोजगार की तलाश है तो यहां करवाएं पंजीकरण

ऊना। हिमाचल प्रदेश के बेरोजगार युवा रोजगार की तलाश में अब दफ्तर-दफ्तर भटकने के बजाए अपना निःशुल्क पंजीकरण भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए वेब पोर्टल डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट एनसीएस डॉट जीओवी डॉट इन में करवा सकते हैं। इसमें रोजगार चाहने वाले हिमाचल प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के रोजगार चाहने वाले एवं नियोक्ता अपनी आप ही इंटरनेट के माध्यम से अपना निःशुल्क पंजीकरण ऑन लाइन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें इस वेब पोर्टल पर जाकर साइन अप करके अपना पंजीकरण करना होगा। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के लिए आवेदक के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राईविंग लाइसेंस, पासपोर्ट या वोटर आईडी [illegible] पंजीकरण आवश्यक होगा [illegible] इनकी सेवाओं का लाभ उठाने हेतु लोकल सर्विस प्रोवाईडर को भी अपना पंजीकरण करवाना होगा। उन्होंने बताया कि पंजीकरण को लेकर यदि किसी भी किसी प्रकार की समस्या होती है, तो वह जिला रोजगार कार्यालय जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त नियोक्ता/आवेदक की सहायता के लिए मंगलवार से शनिवार तक टोल फ्री नंबर 1800-425-1514 (प्रातः आठ बजे से लेकर रात्रि आठ बजे तक) एक समर्पित बहुभाषी हेल्पडेस्क भी उपलब्ध है। इस नंबर पर भी पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि रोजगार पाने के इच्छुक व्यक्ति को रोजगार कार्यालय या पंजीकरण केन्द्र की [illegible] नहीं है, बल्कि बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए समय-समय पर अपनी प्रोफाइल को अपडेट करना भी जरूरी है।

- नेशनल करियर सर्विस से जुड़ा रोजगार कार्यालय ऊना
- बेरोजगार व नियोक्ता करवा सकते हैं अपना पंजीकरण

अतिरिक्त नियोक्ता भी अपना निःशुल्क पंजीकरण ई-पंजीकरण के माध्यम से कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी ऊना [illegible] ने बताया कि भारत सरकार ने नेशनल करियर सर्विस के तहत प्रथम चरण में देश में स्थापित 100 मॉडल करियर सेंटर में से हिमाचल प्रदेश का पहला मॉडल करियर सेंटर ऊना में स्थापित किया गया है।

इसका कार्य संचालन जिला रोजगार कार्यालय ऊना से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मॉडल करियर सेंटर स्थापित करने का प्रमुख उद्देश्य रोजगार कार्यालय को करियर सेंटर में रूपांतरित करना है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा एक वेब पोर्टल डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट एनसीएस डॉट जीओवी डॉट इन आरंभ किया गया है। इसमें रोजगार चाहने वाले व्यक्तियों एवं नियोक्ताओं का निःशुल्क ई-पंजीकरण किया जा सकता है। लेना अनिवार्य है। नियोक्ताओं के पास संख्या का पैन कार्ड और किसी व्यक्ति व्यक्ति का पैन या आधार कार्ड से पंजीकरण करना होगा। उन्होंने बताया कि एनसीएस के इस्तेमालकर्ताओं में रोजगार चाहने वाले, नियोक्ता, लोकल सर्विस प्रोवाइडर्स/कामगार, काउंसलर, प्लेसमेंट ऑर्गेनाइजेशन, स्किल प्रदान करने वाले संस्थान और सरकारी विभाग हैं। उन्होंने बताया कि वे सभी अपना पंजीकरण स्वयं ऑन लाइन कर सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस वेब पोर्टल की एक अहम विशेषता यह है कि इसमें लोकल सर्विस प्रोवाइडर्स जैसे ब्यूटीशियन, कारपेंटर, ड्राइवर, कुक, ड्राइवर, माली, टेलर, नर्स, प्लंबर, सिक्योरिटी गार्ड, डाइवर, बेबीसिटर/हाउसकीपिंग, आया/नैनी आदि [illegible] लेकर अपनी सेवाएं भी दे सकते हैं। इन सभी को अपना इस पोर्टल पर [illegible]

धर्मशाला में खुलेगा शहरी आजीविका केंद्र

धर्मशाला। नगर निगम धर्मशाला के आयुक्त [illegible] शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत नगर निगम धर्मशाला द्वारा पुराने डीसी कोर्ट [illegible] में शहरी आजीविका केंद्र खोला जाएगा। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में [illegible], [illegible], कुक, [illegible], [illegible], [illegible], सिक्योरिटी गार्ड, मैकेनिकल, ड्राइवर, टूरिस्ट गाइड, [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] इत्यादि जैसे असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले 18 वर्ष अधिक आयु वर्ग के युवक एवं युवतियां अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से [illegible] नगर निगम धर्मशाला कार्यालय में 100 रुपये जमा करवा कर पंजीकरण करवाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पंजीकरण पूर्णतः [illegible] होगा।

कायाकल्प पुरस्कार में धर्मशाला अस्पताल प्रथम

मंडी उपविजेता और सिरमौर तीसरे स्थान पर रहा

शिमला। स्वास्थ्य [illegible] [illegible]

[illegible] और [illegible] [illegible] [illegible] कायाकल्प पुरस्कार [illegible] [illegible] जिलों के [illegible] [illegible] 20 लाख [illegible] [illegible] [illegible] धर्मशाला [illegible]

सरकार का शीतकालीन प्रवास

हिमाचल प्रदेश [illegible]

[illegible]

पृष्ठ-1 का शेष...

[illegible]

नशे की पैदावार के खिलाफ ठोस एक्शन प्लान की जरूरत

"असल में चरस के कारोबार के लिए भांग की खेती होती है, वहां तक पुलिस की पहुंच नहीं बन पाई है। यह खेती दुर्गम इलाकों में होती है, जहां पुलिस को या तो इसकी भनक तक नहीं लगती या फिर पुलिस वहां तक पहुंच नहीं पाती। दुर्गम इलाकों में नशे की खेती को रोकने के लिए अभी तक कोई ठोस एक्शन प्लान भी नहीं बन पाया है। इस कारण यह कारोबार फैलता जा रहा है।"

[illegible]

[illegible]

अभियान तो चलते हैं, मगर ठोस कारवाई को नहीं कोई नीति

[illegible]

कहीं पंजाब जैसी न हो जाए हालत

[illegible]

सीमित विश्वासों का शार्क प्रयोग

[illegible]

कहानी का नैतिक फल

[illegible]

[illegible]

– स्वामी विवेकानंद

गुंजन के सहयोग व प्रेरणा से बर्बाद होने से बचा परिवार

सफलता की कहानी

- ड्राइवर पति से मिले एचआईवी वायरस ने धकेल दिया था मौत के मुंह में
- दो बच्चों की जिम्मेवारी व बीमारी का भय तोड़ता जा रहा था हौसला
- गुंजन के निदेशक से हुई एक मुलाकात ने बदल कर रख दी जिंदगी

एचआईवी/एड्स से निपटने के लिए जरूरी टूल्स टुगेदर नाऊ!

भाग-2

टूलकिट कैसे तैयार की गई

टूलकिट किसके लिए है?

आप टूलकिट का इस्तेमाल किस तरह कर सकते हैं?

www.aidsalliance.org

publications@aidsalliance.org

आई.ई.सी. मेटिरियल डवेलप्मेंट - पोस्टर श्रृंखला

करियर सलाह

इन बातों का ध्यान रखें तो जेईई मेन क्लीयर करना होगा आसान

जेईई मेन ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (मेन) में अब 3 महीने से भी कम समय रह गया है। इसमें बैठने जा रहे अधिकतर उम्मीदवार अपनी तैयारी को पुख्ता करने में जुटे होंगे। देखा जाए, तो जेईई मेन मुश्किल नहीं है। अगर कॉन्सेप्ट की अच्छी समझ है, तो यह परीक्षा आपके लिए आसान होगी। इसलिए ज्यादा से ज्यादा अभ्यास के जरिये आत्मविश्वास बनाए रखना होगा, क्योंकि बिना आत्मविश्वास के इस परीक्षा में कामयाबी हासिल करना संभव नहीं है। चलिए, जानते हैं कुछ ऐसे टिप्स, जो इस परीक्षा के लिहाज से उपयोगी साबित हो सकते हैं।

टाइम मैनेजमेंट

समय पर तैयारी पूरी करने और पढ़ाई के दबाव से निपटने के लिए सही प्लानिंग सबसे ज्यादा जरूरी है। वैसे तो परीक्षा को लेकर गंभीर उम्मीदवार अपनी तैयारी का मूल्यांकन कर चुके होंगे या फिर उनके शिक्षकों ने उन्हें इसकी जानकारी दे दी होगी। लिहाजा अब वक्त आ गया है कि आप अपनी टैक्टिक्स पर फोकस करें और सुनिश्चित कर लें कि जेईई मेन में आप अच्छा प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं।

सभी विषयों पर फोकस

फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स- ये तीनों विषय समान महत्व रखते हैं। लिहाजा परीक्षा के लिए बाकी बचे समय के दौरान तीनों विषयों की तैयारी पर बराबर ध्यान दें। टाइम टेबल भी इसी हिसाब से बनाएं। ज्यादा जोर निश्चित रूप से उन्हीं को दें, जो परीक्षा के लिहाज से ज्यादा महत्वपूर्ण होने चाहिए, लेकिन 11वीं के सिलेबस को रिवीजन भी जरूर कर लें। इससे आपको अपनी बोर्ड परीक्षा में भी अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।

शॉर्ट नोट्स पर जोर

जेईई मेन की तैयारी कर रहे विद्यार्थी रोजाना और सप्ताहांत आधारित

रिवीजन कार्यक्रम भी जरूर निर्धारित कर लें। शॉर्ट नोट्स बनाएं और याद किए जाने वाले सभी फॉर्मूलों व थ्योरम्स की सूची तैयार कर लें। इससे आपको परीक्षा से पहले जल्द रिवीजन करने में मदद मिलेगी।

स्टैंडर्ड पुस्तकों की मदद

विद्यार्थी अपने कॉन्सेप्ट को स्पष्ट करने के लिए कुछ स्टैंडर्ड पुस्तकों का सहारा ले सकते हैं। इस समय अधिक से अधिक सवाल हल करने पर ध्यान देना चाहिए और अपनी क्षमता व कमजोरियों को बखूबी समझना भी चाहिए।

खास रणनीति

परीक्षा के लिए बचे हुए इस समय में कॉन्सेप्ट क्लियर करते हुए आपको अधिक से अधिक सवाल हल करने पर जोर देना चाहिए। किसी भी सवाल को तय समय में हल करने की कोशिश करें। अपनी गति को तेज करने और कमजोर टॉपिक्स को मजबूत करने में समय का सदुपयोग करें।

विषयों के महत्वपूर्ण टॉपिक्स

11वीं और 12वीं के सिलेबस से जेईई मेन के लिए सामान्यतः 40 प्रतिशत और 60 प्रतिशत सवाल होते हैं। इसलिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स के सभी टॉपिक्स की तैयारी करें, मगर इस दौरान नीचे बताए जा रहे महत्वपूर्ण टॉपिक्स पर विशेष ध्यान दें।

मैथमेटिक्स: क्वॉड्रेटिक इक्वेशंस एंड एक्सप्रेशंस, कॉम्प्लेक्स नंबर्स, प्रोबेबिलिटी, वेक्टर्स, मैट्रिक्स एंड डिटरमिनेंट्स, कोनिक सेक्शंस, इंटीग्रल कैलकुलस, को-ऑर्डिनेट ज्योमेट्री, परम्यूटेशन एंड कॉम्बिनेशन, लिमिट्स, कंटिन्युटी एंड डिफरेंशियेबिलिटी, एप्लीकेशन ऑफ डेरिवेटिव्स, डेफिनेट इंटीग्रल एंड एरिया अंडर कर्व्स।

फिजिक्स: इलेक्ट्रोस्टेटिक्स, ऑप्टिक्स, करंट, हीट एंड थर्मोडायनामिक्स, वेव्स एंड साउंड, कैपेसिटर एंड इलेक्ट्रोस्टेटिक्स, मैग्नेटिज्म, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन, ऑप्टिक्स तथा मॉडर्न फिजिक्स।

केमिस्ट्री: को-ऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, केमिकल बॉन्डिंग इन इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, केमिकल एंड आयोनिक इक्विलिब्रियम, मोल कन्सेप्ट एवं फिजिकल केमिस्ट्री तथा ऑर्गेनिक केमिस्ट्री। केमिस्ट्री में अच्छा परफॉर्म करने के लिए पीरियोडिक टेबल याद रखें और इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए एनसीईआरटी की पुस्तकें देखें। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में पहले सभी बेसिक कॉन्सेप्ट मजबूत कर लें, फिर अभ्यास शुरू करें। फिजिकल केमिस्ट्री में न्यूमेरिकल्स सवाल हल करने का अभ्यास करें।

अति उत्साह होता है हाइपोमेनिया का लक्षण

जी हां! अगर आपके आसपास कोई व्यक्ति या परिचित जिनमें सामान्य से अधिक उत्साह, असामान्य उत्तेजना, चिड़चिड़ापन और अति आत्मविश्वास आदि नजर आए, तो उन्हें सामान्य न समझें, उन्हें तुरंत मनोवैज्ञानिक को दिखाएं या दिखाने की सलाह दें। क्योंकि यह सभी लक्षण हाइपोमेनिया नामक मनोवैज्ञानिक बीमारी के हैं।

क्या होता है हाइपोमेनिया

हाइपोमेनिया मन, मूड और व्यवहार की वो अवस्था है जिसे अधिक उत्साह, असामान्य उत्तेजना, चिड़चिड़ापन आदि के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। हाइपोमेनिया मूड बदलने की वो दशा है जिसमें व्यक्ति का मूड बदलता रहता है और इसमें व्यक्ति विशिष्ट कार्यों के लिए बेहद उत्साहित, जोशीली प्रवृत्ति का होता व आमतौर पर अति आत्मविश्वास से पूर्ण क्रियात्मक विचारों से भरपूर रहता है। हाइपोमेनिक व्यवहार ऐसे रचनात्मकता और उत्साह को उत्पन्न करता है लेकिन यह अगर खतरनाक या अनुचित व्यवहार में बदल जाए तो परेशानी का कारण बन सकता है। हाइपोमेनिया के लक्षण की अगर हम बात करें तो इसका कोई एक लक्षण विशेष नहीं है, कई हो सकते हैं। दिए गए निम्न लक्षण यदि व्यक्ति के स्वभाव में पहले से लक्षित नहीं हैं लेकिन बाद में विकसित होते हैं तो हाइपोमेनिया की आशंका हो सकती है। हाइपोमेनिया के लक्षणों में शामिल हैं- चिड़चिड़ापन और आक्रमकता बढ़ना, चरम और तीव्र खुशी की भावना, जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास या उच्च अनुभव करना, अपना सम्मान की भावना और आत्मविश्वास अत्यधिक बढ़ना, कम नींद में होने के बावजूद फ्रेश महसूस करना, बातूनी होना और अधिक तेजी से बोलना, विचारों-उर्जा से भरा महसूस करना, खर्चे के मामले की अनियंत्रित भावना पैदा होना और अपने कामों में कठिनाई होना, एकाग्रता में कमी और आसानी से विचलित होना तथा सामाजिक गतिविधि में वृद्धि होना।

हाइपोमेनिया के कारण

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जटिल होती हैं और आमतौर पर माना जाता है कि एक विशेष कारण के बजाय कारकों के संयोजन से होती हैं, संभावित कारणों में शामिल हैं,

उच्च स्तर का तनाव

नींद की कमी और लंबी यात्रा से जेट लैग की समस्या, मादक पदार्थों का उपयोग जैसे- दवाएं या अल्कोहल, **फैमिली हिस्ट्री** - यदि परिवार के किसी सदस्य को बाइपोलर डिसऑर्डर रहा हो तो हाइपोमेनिया होने की आशंका रहती है।

इनसे मिल सकती है मदद

हाइपोमेनिया एक मनोवैज्ञानिक बीमारी है। सामान्य तौर पर डिप्रेशन या जैनेटिक कारणों से होती है। कई बार मादक पदार्थ के अत्यधिक उपयोग के कारण भी होती है। ज्यादातर मरीज इसे पहचान नहीं पाते हैं। हाइपोमेनिया का उपचार केवल मेडिसिन द्वारा ही किया जा सकता है। लेकिन समय पर उपचार नहीं किया गया तो हाइपोमेनिया को मेनिया में बदलने का खतरा रहता है, जोकि अधिक जटिल व गंभीर होती है। हाइपोमेनिया के पहले एपिसोड में मरीज को कम से कम कुछ वर्षों तक दवाई लेनी पड़ती है। अगर उपचार न लेने पर फिर से होने की आशंका और भविष्य में डिप्रेशन होने का खतरा भी रहता है। इसके उपचार में काउंसलिंग काफी फायदेमंद होते हैं जो उपचार के दौरान मरीज को सिखाया जाता है। हाइपोमेनिया के लक्षण बहुत सामान्य सा नजर होते हैं। जो किसी भी दूसरे व्यक्ति में पाए जा सकते हैं जैसे बातूनी होना, अति आत्मविश्वासी होना, चिड़चिड़ापन आदि। लेकिन जब ये लक्षण व्यक्ति की सामाजिक-व्यावसायिक कुशलता को प्रभावित करें तो हाइपोमेनिया है।

आधार कार्ड से होती है 650 करोड़ की सालाना बचत

AADHAAR

वाशिंगटन। आधार कार्ड की महत्ता को विश्व बैंक ने भी स्वीकार किया है। डिजिटल पहचान पत्र के रूप में भारत में बनाए गए आधार कार्ड ने अभी तक देश को प्रति वर्ष एक अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 6500 करोड़ रुपये) की बचत कराई है। साथ ही भ्रष्टाचार को भी रोकने में मदद की है। यह बात विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने कही है। बसु के अनुसार आधार कार्ड ने भारत सरकार को बजट बचाने और सरकारी धन का अपव्यय रोकने में भी मदद मिली है। इसके अतिरिक्त अन्य सेवाओं की गुणवत्ता के मामले में भी आधार सहायक साबित हो रहा है। भारत में आधार कार्ड धारकों की संख्या एक अरब तक पहुंच चुकी है। इसके चलते सरकार की अब कल्याण योजनाओं को लागू करने और उनके कार्यान्वयन में काफी मदद मिल रही है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार अपनी 125 करोड़ की आबादी को आधार कार्ड के दायरे में लाने की दिशा में काम कर रही है। विश्व बैंक के अनुसार भविष्य में तकनीकी के इस्तेमाल का समय आ गया है। भारत के आधार कार्ड की तरह अन्य देशों में भी डिजिटल पहचान पत्र बनाए जाने की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। इससे आबादी की सूचना संबंधी समस्या दूर की जा सकती है और कमजोर तबकों को लाभ पहुंचाने में आड़े आने वाले रोड़ों को हटाया जा सकता है। भारत के आधार कार्ड को अमेरिका विश्व बैंक ने अपनी सालाना विकास रिपोर्ट में भी किया है। [illegible] डिजिटल तकनीकी का [illegible] विश्व बैंक बसु के [illegible] ने भी स्वीकार किया है।

रजनीकांत पहली बार टीवी पर

अगर सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले साल 2016 टीवी की दुनिया के लिए शानदार होगा। [illegible] कि दक्षिण भारत के सुपरस्टार रजनीकांत एक हिंदी चैनल पर दिख सकते हैं। माना जा रहा है कि सुपरस्टार को चैनल एक टीवी शो के बड़े कार्यक्रम का [illegible] है। रजनीकांत के बारे में एक खास खबर है कि एक लोकप्रिय हिंदी चैनल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयारी कर रहे हैं। अभी यह पता नहीं कि वे टीवी पर करने क्या वाले हैं। लेकिन खबर पक्की है कि इसका टीजर शुरुआत की जा सकता है। [illegible] कि अभी किसी भी रूप में यह जाहिर नहीं किया है कि रजनीकांत टीवी पर [illegible] [illegible] हिस्सा बनेंगे, [illegible] टीवी पर पहली बार रजनीकांत को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर है।

संपादक व प्रकाशक संदीप राणा द्वारा वीपीओ सिद्धबाड़ी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा-176057, हि. प्र. से प्रकाशित व संपादित और [illegible] प्रिंटर्स [illegible] तहसील धर्मशाला जिला कांगड़ा हि.प्र. से मुद्रित। फोन नंबर: 01892-235215 Mail ID: badaltirahein@gmail.com